सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (हिन्दी)

00371

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

डी.सी.एच.-6 : कविता लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्न करने हैं। **खंड-'क'** से **दो** और **खंड-'ख'** से **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

खंड 'क'

1. कविता को परिभाषित करते हुए काव्य की रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 20

2. छंदबद्ध कविता के प्रमुख तत्वों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 20

3. गीत की रचना के प्रमुख सोपानों को सोदाहरण विवेचित कीजिए। 20

4. वस्तुपरक कविता का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

5. काव्य की भाषा गद्य की भाषा से कैसे अलग है? काव्य की भाषा की कुछ प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 20

खंड 'ख'

6. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को पढ़िए और लगभग *15* पंक्तियों तक उनका विस्तार कीजिए : 20

नहीं नहीं

आग बुझ नहीं सकती

यों ओटी हुई आग भी

अगर बुझने लगी

तो क्या होगा ?

फूंक मारो,

चूल्हे को और उकेरो

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग *15* पंक्तियों की कविता लिखिए : 20

(क) कटी हुई पतंग के साथ

(ख) पीठ की ओर का संसार

(ग) सूर्योदय

(घ) जनता के बीच जनता का आदमी

8. निम्नलिखित कविता की भाव-वस्तु का विश्लेषण कीजिए : 20

उन्होंने रंग उठाये
और आदमी को मार डाला
उन्होंने संगीत उठाया
और आदमी को मार डाला
उन्होंने शब्द उठाये
और आदमी को मार डाला

हत्या करने का
एकदम नया नुस्खा
तलाश किया उन्होंने

उन्होंने
आदमी के गुस्सैल चेहरे
और चाकू को
चमकदार
रंगीन दीवारों और रोशनियों के बीच
बेहद सूझबूझ
और सलीके से
सजा दिया
और
और लड़ाई को कुचल दिया
और आदमी को मार डाला।

9. निम्नलिखित कविता के भाषिक - सौंदर्य पर प्रकाश डालिए : 20

एक पीली शाम
पतझर का ज़रा अटका हुआ पत्ता
शान्त
मेरी भावनाओं में तुम्हारा मुखकमल
कृश म्लान हारा-सा
(कि मैं हूँ वह
मौन दर्पण में तुम्हारे कहीं?)

वासना डूबी
शिथिल पल में
स्नेह काजल में
लिये अद्‌भुत रूप-कोमलता

अब गिरा अब गिरा वह अटका हुआ आँसू
सान्ध्य तारक-सा
अतल में।

10. निम्नलिखित कविता को पढ़िए और बताइए कि यह आपको कैसी लगी और क्यों? 20

चौड़ी सड़क गली पतली थी
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता यह दिया गया था उसकी हत्या होगी

धीरे–धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले ले
फिर रह गया, सड़क पर सब थे
सभी मौन थे सभी निहत्थे
सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी

खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रखकर
सधे कदम रख करके आये
लोग सिमट कर आँख गड़ाये
लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी

निकल गली से तब हत्यारा
आया उसने नाम पुकारा
हाथ तौलकर चाकू मारा
छूटा लोहू का फ़व्वारा
कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी

भीड़ ठेलकर लौट गया वह
मरा पड़ा है रामदास यह
देखो–देखो बार–बार कह
लोग निडर उस जगह खड़े रह
लगे बुलाने उन्हें जिन्हें संशय था हत्या होगी